



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 917]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 31, 2017/ चैत्र 10, 1939

No. 917]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 31, 2017/CHAITRA 10, 1939

रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(औषध विभाग)

(राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण)

युक्तिका

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2017

का.आ.1029(अ).—औषध (मूल्य नियंत्रण) आदेश (डीपीसीओ), 2013 के पैरा 19 के अंतर्गत हृदय स्टेंटों (कोरोनरी स्टेंट्स) का अधिकतम मूल्य निर्धारण करने से संबंधित भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण के दिनांक 13 फरवरी, 2017 के आदेश का.आ. 412(अ) के अनुक्रम में एतद्वारा, उपर्युक्त आदेश के अनुच्छेद 12 के टिप्पण (ट) के पश्चात् टिप्पण (ठ), (ड), (ढ) और (ण) को निम्न प्रकार अंतःस्थापित किया जाता है:

- (ठ) इस आदेश के पैरा 12 में विनिर्दिष्ट अधिकतम मूल्य 'कवर्ड कोरोनरी स्टेंट्स' पर भी लागू होगा।
- (ड) इस आदेश के पैरा 12 में यथा विनिर्दिष्ट अधिकतम मूल्यों में व्यवसाय लाभ का 8 प्रतिशत शामिल है, जो न्यायोचित है और इस मूल्य अधिसूचना में इसमें ऊपर विनिर्दिष्ट कुल मिलाकर अधिकतम मूल्य, लागू स्थानीय कर/वेट के अलावा, यदि कोई है, जिसमें वास्तव में किया गया भुगतान या भुगतानयोग्य है, इसके अतिरिक्त कोई भी अन्य शुल्क उपभोक्ता/मरीज से वसूला नहीं जाएगा।
- (ढ) उपर्युक्त 8 प्रतिशत व्यवसाय लाभ का परस्पर वितरण, जैसा भी मामला होगा स्टेंट्स विनिर्माताओं/आयातकर्ताओं द्वारा उनके कारोबार के स्वरूप पर निर्भर करते हुए उस पर निर्णय लिया जा सकता है।
- (ण) उपर्युक्त विनिर्दिष्ट 8 प्रतिशत के अधिक व्यवसाय लाभ जिस किसी भी रूप में हो, संयुक्त और पृथक रूप से, लेन-देनों में अंतर्ग्रस्त 'व्यक्ति/संस्थानों/विनिर्माताओं/आयातकर्ताओं/वितरणकर्ताओं/अस्पतालों' द्वारा अधिप्रभारित करने को 'उल्लंघन' माना जाएगा और आवश्यक वस्तुएं अधिनियम, 1955 तथा डीपीसीओ, 2013 के उपबंधों के उल्लंघन के लिए उपयुक्त कार्रवाई, जिसमें अभियोजन शामिल है, की जा सकती है।

[कां.सं./175/43/2017/फा. सं० 8(43)/2017/डीपी/एनपीपीए-डिवी-II]

ए. के. खुराना, निदेशक

**MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS****(Department of Pharmaceuticals)****(NATIONAL PHARMACEUTICAL PRICING AUTHORITY)****ADDENDUM**

New Delhi, the 31st March, 2017

**S.O. 1029(E).**— In continuation of National Pharmaceutical Pricing Authority's Order S.O. 412(E) dated 13<sup>th</sup> February, 2017, published in the Gazette of India, Extraordinary, related to ceiling price fixation of Coronary Stents under paragraph 19 of the Drugs (Price Control) Order (DPCO), 2013, notes (l), (m), (n) and (o) are hereby inserted after note (k) of para 12 of abovesaid order, as follows:

- (l) The ceiling prices specified in Para 12 of this order shall also apply to 'Covered Coronary Stents'.
- (m) The ceiling prices as specified in Para 12 of the order are inclusive of maximum 8% trade margin which is sacrosanct and no additional charge, whatsoever, over and above the ceiling price specified hereinabove, in the price notification shall be charged from the consumer/patient except applicable local taxes/VAT, if any, paid in actual or payable.
- (n) The inter-se distribution of abovesaid 8% trade margin could be decided by the stent manufacturers/importers, as the case may be, depending upon their business model.
- (o) Trade margin in excess of 8% specified above, in whatsoever form, shall be construed as 'violation' by the 'person/institutions/manufacturers/importers/distributors/hospitals' involved in the transactions, jointly and severally, and shall be liable to appropriate action including prosecution, for violation of the provisions of the DPCO, 2013 under the Essential Commodities Act, 1955.

[P N/175/43/2017/F. No. 8(43)/2017/DP/NPPA/DIV. II]

A. K. KHURANA, Director